[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 6887 **E** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 213271

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit (In Lieu of Credit Course)**

Name of the Paper : Nationalism and Indian Literature

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'राष्ट्र' के विधायक तत्त्वों की विवेचना कीजिए।

   Discuss the constituent elements of Nation.

P.T.O.

अथवा / OR

'भारतराष्ट्र' की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Describe the main features of 'Bhārata-rāstra. (10)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की विवेचना कीजिए :

Discuss any **two** of the following :

भारत नाम का इतिहास : History of the name 'Bhārata'

राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' : National Song 'Vande mātaram'

भाषाई एकता : Unity of languages

राष्ट्र की पश्चिमी संकल्पना : Western concept of Nation (5+5=10)

3. राष्ट्रीयता के विविध तत्त्वों का वर्णन कीजिए।

Describe the various elements of Nationality.

अथवा / OR

'राष्ट्रीयता और स्वाधीनता' पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on "Nationality and Freedom'. (10)

4. भारतीय सन्दर्भ में राष्ट्रीयता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

Explain the concept of Nationality in Indian context.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो की विवेचना कीजिए :

Discuss any **two** of the following :

सांस्कृतिक चेतना	:	Cultural Consciousness
राष्ट्रप्रेम तथा स्वाभिमान	:	Patriotism and Self-pride
सहिष्णुता की भावना	:	Feeling of Tolerance
राष्ट्रीयता और नागरिकता	:	Nationality and Citizenship (10)

5. अथर्ववेद के 'भूमिसूक्त' के आधार पर वैदिक राष्ट्र के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

Explain the concept of Vedic Rāstra on the basis of 'Bhumisukta' of Atharvaveda.

अथवा / OR

विष्णुपुराण में वर्णित 'भारतवर्ष' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Describe the nature of 'Bhāratavarsa' according to Visnupurāna. (10)

6. राष्ट्रीय चेतना जगाने में मथुराप्रसाद दीक्षित अथवा अम्बिकादत्त व्यास के साहित्यिक योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the literary contribution of Mathura Prashad Dikshit or Ambika Datt Vyas for awakening national consciousness. (8)

7. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र या मैथिलीशरण गुप्त की रचनाओं में राष्ट्रीयता की समीक्षा कीजिए।

Examine the nationality as revealed in the poetry of Bhartendu Harishchandra or Maithilisharan Gupta. (9)

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो कवियों की 'राष्ट्रीय कविताओं' पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on the 'national poems' of any **two** of the following poets :

जयशंकर प्रसाद	:	Jayashankar Prashad	
माखनलाल चतुर्वेदी	:	Makhanlal Chaturvedi	
सुभद्रा कुमारी चौहान	:	Subhadra Kumari Chauhan	
यशपाल	:	Yashpal	(4+4=8)